- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 35 एजेंडों पर मुहर: चतुर्थ कृषि रोडमैप के लिए 2190 करोड़ की स्वीकृति

04 डॉ सीबी सिंह और एमएलसी महेश्वर सिंह का विवाद गहराया

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 04 नवम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 268

जांच एजेंसियों को मजबूर कर रही है केंद्र: कांग्रेस

बीएनएम@नई दिल्ली

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों को मजबूत करने के बजाय मजबूर कर रही है। इन एजेंसियों को विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए इस्तेमाल कर रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए केन्द्र सरकार ने सारी जांच एजेंसियों को विपक्षी नेताओं के पीछे लगा दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) सहित अन्य जांच एजेंसियां विपक्षी नेताओं को लगातार परेशान कर रही हैं।

भाजपा सरकार निष्पक्ष संस्थाओं को रौंद रही है। यह देश के सामने यह एक गंभीर खतरा है। ईडी, सीबीआई, आईटी ये सभी 'सरकार प्रचारक' हैं।

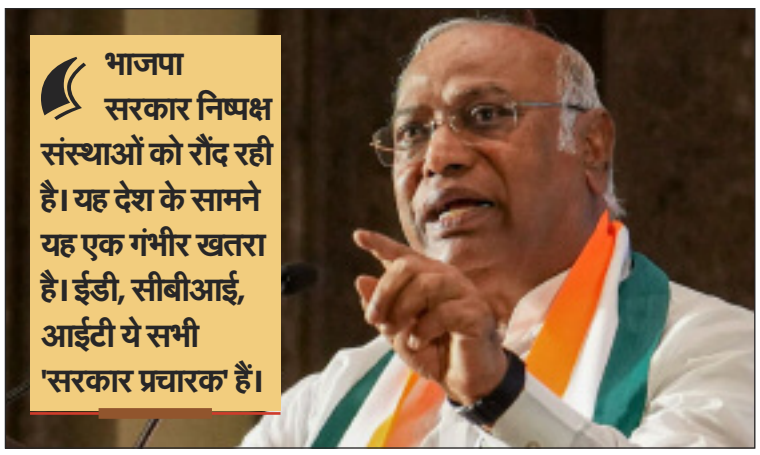

खेड़ा ने राजस्थान में ईडी अधिकारी को घूस लेते पकड़े जाने के मुद्दे को गंभीर बताते हुए कहा कि जांच एजेंसियां लगातार अपनी साख खो रही हैं। ईडी अधिकारी को जिस तरह से घूस लेते हुए पकड़ा गया है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। राजस्थान की एंटी करप्शन ब्यूरो ने अपना काम निर्भीकता से करते हुए जयपुर में ईडी अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है।

खेड़ा ने कहा कि ईडी अधिकारी की गिरफ्तारी को लेकर 'बड़े साहब' ने इमरजेंसी मीटिंग रखी थी कि उनके फ्रंट लाइन वॉरियर्स को असली एजेंसी से कैसे बचाया जाए। भाजपा सरकार निष्पक्ष संस्थाओं को रौंद रही है। यह देश के सामने यह एक गंभीर खतरा है। ईडी, सीबीआई, आईटी ये सभी 'सरकार प्रचारक' हैं। इनको टारगेट दिया जाता है कि विपक्षी नेताओं को डराकर भाजपा में शामिल कराएं।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने जयपुर में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी और उसके साथी को गुरुवार को 15 लाख रुपये घूस लेते हुए गिरफ्तार किया था।

प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में बने 'भारत मंडपम' में एक बड़े खाद्य कार्यक्रम 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2023' के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को मजबूत करने के उद्देश्य से एक लाख से अधिक एसएचजी सदस्यों को बीज पूंजी सहायता वितरित की। प्रधानमंत्री ने वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 के हिस्से के रूप में फूड स्ट्रीट का भी उद्घाटन किया।

त्रिपुरा के राज्यपाल ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली। त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्रसेना रेड्डी नल्लू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने के बाद राष्ट्रपति से यह उनकी पहली मुलाकात है। पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार दिल्ली पहुंचे इंद्रसेना रेड्डी ने गुरुवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। उल्लेखनीय है कि इंद्रसेना रेड्डी ने 26 अक्टूबर को त्रिपुरा के 20वें राज्यपाल का पदभार ग्रहण किया था।

बिग बॉस ओटीटी-2 के विजेता एल्विस यादव व अन्य पर नोएडा में प्राथमिकी दर्ज

रेव पार्टी में सांप का जहर और विदेशी लड़कियां सप्लाई करने का आरोप

नोएडा पुलिस व वन विभाग की टीम ने 5 सांप पकड़ने वालों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद। 'बिग बॉस ओटीटी-2' के विजेता एवं यूट्यूबर एल्विश यादव और अन्य के खिलाफ नोएडा के सेक्टर-49 थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन पर रेव पार्टी में सांप का जहर और विदेशी लड़कियां सप्लाई करने का आरोप है। नोएडा पुलिस और वन विभाग की टीम ने 5 सांप पकड़ने वालों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 5 कोबरा और कुछ जहर बरामद किया गया है। गैर सरकारी संगठन पीपुल फ़ॉर एनिमल के एनिमल वेलफेयर ऑफिसर गौरव गुप्ता ने नोएडा के सेक्टर-49 थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में गौरव गुप्ता ने बताया कि एल्विस यादव अपने साथियों के साथ नोएडा और एनसीआर में फार्म हाउसों पर अवैध रूप से रेव पार्टियों का आयोजन कर रहे थे। इन पार्टियों में नियमित रूप से आने वाली विदेशी लड़कियां सांप के जहर और अन्य दवाओं का सेवन करती हैं।

इस पर पुलिस के एक मुखबिर ने एल्विश यादव से संपर्क करके उससे नोएडा में एक रेव पार्टी आयोजित करने और कोबरा जहर की व्यवस्था करने के लिए कहा। एल्विश अपने एजेंट राहुल का फोन नंबर देता है और कहता है कि मेरा नाम लेकर बुलाओ, वह सब कुछ व्यवस्थित कर देगा। जैसे ही मुखबिर ने एल्विश के नाम पर राहुल से बात की, तो वह रेव पार्टी और अन्य इंतजाम करने के लिए तैयार हो गया। मुखबिर ने उसे नोएडा के सेक्टर-51 स्थित एक बैंक्वेट हॉल में बुलाया और डीएफओ नोएडा और पुलिस को सूचना दी। राहुल व अन्य लोग वहां पहुंच गये। वह अपने साथ 9 सांपों के जहर लेकर आया था। इसी बीच पुलिस वहां पहुंची और सभी को गिरफ्तार कर लिया।

संबोधन कार्यकर्ता लोकसभा के चुनाव को लेकर जिम्मेदारी के साथ जुट जाएं

मोदी का नेतृत्व देश के लिए महत्वपूर्ण: जेपी नड्डा

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जेपी नड्डा ने कहा कि आगामी लोकसभा का चुनाव भारतीय जनता पार्टी और कार्यकर्ताओं के लिए चुनौती पूर्ण और देश के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कुशल नेतृत्व महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी कार्यकर्ता लोकसभा के चुनाव को लेकर पूरी जिम्मेदारी के साथ जुट जाएं और पार्टी के वोटर महा चेतना अभियान के द्वारा ज्यादा से ज्यादा नए मतदाता बनाएं।

जेपी नड्डा ने एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए यह बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने महापौर गणेश केसरवानी से नगर निगम के द्वारा किए जा रहे कार्यों तथा भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा से पार्टी द्वारा आए हुए करणीय कार्यों की जानकारी ली। भाजपा

कार्यकर्ताओं ने प्रयागराज एयरपोर्ट पर अंगवस्त्र पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दिल्ली से प्रयागराज एयरपोर्ट पर आए और यहां से मध्य प्रदेश के रींवा जिले में आयोजित त्यौंथर विधानसभा में आयोजित चुनावी जनसभा को सम्बोधन के लिए प्रस्थान किए। एयरपोर्ट पर स्वागत करने वालों में सांसद केशरी देवी पटेल, महापौर गणेश केसरवानी, महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, विधायक पियूष रंजन निषाद, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, नवीन शुक्ला, संजय गुप्ता, अंशुल सिंह परिहार, रामजी शुक्ला, अमित गुप्ता, विवेक जायसवाल आदि रहे।

केमिकल कंपनी में विस्फोट के बाद आग लगी, 4 लोगों की मौत

मुंबई। रायगढ़ जिले के महाड एमआईडीसी में स्थित ब्लू जेट हेल्थकेयर लिमिटेड कंपनी में शुक्रवार को सुबह जोरदार विस्फोट होने के बाद आग लग गई। इस अग्निकांड में चार मजदूरों की मौत हो गई और तीन मजदूर घायल हो गए हैं। इन तीनों को महाड ग्रामीण अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस घटना में 11 मजदूर लापता बताए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार आज सुबह महाड एमआईडीसी में स्थित ब्लू जेट हेल्थकेयर लिमिटेड कंपनी में सभी मजदूर काम कर रहे थे। अचानक कंपनी में जोरदार विस्फोट होने के बाद कंपनी में आग लग गई।

साथ ही कंपनी में जहरीली गैस का रिसाव भी होने लगा। इससे कंपनी में मजदूरों को सांस लेने में दिक्कत आने लगी थी। इससे कंपनी में

चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन मजदूरों को घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कंपनी से फायर ब्रिगेड के जवानों ने मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला, लेकिन 11 मजदूर लापता बताए जा रहे हैं। फायर ब्रिगेड के जवान यहां आग बुझाने के साथ लापता मजदूरों को सरगर्मी से तलाश कर रहे हैं।

लुस्की के गिरफ्तारी से टूटी आपराधिक सिंडिकेट की कमर

बेगूसराय। तेघड़ा थाना क्षेत्र के बनहारा निवासी 50 हजार के इनामी अपराधी शिवलोचन राय उर्फ लुस्की को गिरफ्तार कर पुलिस ने संगठित अपराध और बालू एवं शराब माफिया के रैकेट की कमर तोड़ दिया है। लुस्की पर तेघड़ा अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थाना में हत्या, लूट, डकैती एवं रंगदारी के एक दर्जन मामले दर्ज हैं।

शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि लुस्की कुख्यात बालू और शराब माफिया भी था। इसका सगा भाई भी अपराधी है एवं लुस्की एक बड़े गैंग का संचालन कर रहा था। 2022 के सितम्बर में धनकौल पंचायत के सरपंच पुत्र की हत्या के बाद तेघड़ा डीएसपी डॉ. रविन्द्र मोहन प्रसाद के नेतृत्व में बनी विशेष टीम ने जब घेराबंदी शुरू की तो बिहार से भाग गया।

बिहार से बाहर कभी महाराष्ट्र को कभी दिल्ली में रहता था। पकड़ में नहीं आने के बाद पुलिस मुख्यालय ने 50 हजार का इनाम घोषित किया तथा एसटीएफ को इसके पीछे लगाया गया था। फिलहाल वह दिल्ली में किराए के मकान में रहता था। इनपुट मिलने के बाद उसके पीछे पड़ी बेगूसराय पुलिस एवं बिहार एसटीएफ के टीम की संयुक्त कार्रवाई में साउथ दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र स्थित मीठापुर चौक के समीप मकान से गिरफ्तार किया गया।

एसपी ने बताया कि 37 वर्षीय लुस्की संगठित अपराध का बड़ा गैंग चलाता था।

अमित शाह पांच नवम्बर को बिहार के मुजफ्फरपुर में करेंगे रैली

पटना। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पांच नवम्बर को बिहार के मुजफ्फरपुर में बड़ी रैली को सम्बोधित करेंगे। लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर अमित शाह की इस रैली को अहम माना जा रहा है।मुजफ्फरपुर के पताही स्थित हवाईअड्डे मैदान पर होने वाली रैली की तैयारियां अंतिम चरण में है।

पार्टी के राज्य स्तर के पदाधिकारियों के साथ 16 जिलों के कार्यकर्ताओं और नेताओं को रैली की तैयारियों में लगाया गया है। अमित शाह की रैली को सफल बनाने के लिए भाजपा नेता और कार्यकर्ता जी-जान से जुट गए हैं। इस रैली में दो लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बिहार में भाजपा के सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही अमित शाह लगातार बिहार दौरे पर आ रहे हैं। बीते 16 सितम्बर को ही अमित शाह मधुबनी के झंझारपुर पहुंचे थे।

सारण में गायत्री यज्ञ स्थल पर भगदड़ में दो महिलाओं की मौत

पटना। बिहार के सारण में शुक्रवार गायत्री महायज्ञ स्थल पर मची भगदड़ में दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। यज्ञ केंद्र का गेट खुलने के बाद अंदर घुसने के दौरान यह हादसा हुआ है। इस के बाद अफरा-तफरी मच गई। हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

यज्ञ केंद्र का गेट खुलते ही आज सुबह लोगों की भीड़ अंदर प्रवेश करने लगी। तभी भगदड़ मच गई, जिसमें कई महिलाएं नीचे गिरकर दब गईं। दो महिलाओं ने दम तोड़ दिया। मरने वाली दोनों महिलाएं औरंगाबाद जिले के दाउद नगर की रहने वाली थीं। हादसे में भगदड़ की सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक महकमे के लोग भी यज्ञ केंद्र पहुंच रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले गोपालगंज में भी दुर्गा पूजा मेले के दौरान ऐसा ही हादसा हुआ था। 23 अक्टूबर को रेलवे स्टेशन के पास राजा दल पूजा पंडाल में दर्शनार्थियों की भीड़ बेकाबू हो गई थी। इससे भीड़ में दबकर दो महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई जबकि 18 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

35 एजेंडों पर मुहर: चतुर्थ कृषि रोडमैप के लिए 2190 करोड़ की स्वीकृति

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना के दूसरे चरण (फेज-2) में इच्छुक किसानों को चतुर्थ कृषि रोड मैप के अंतर्गत पटवन के लिए 2,190 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

आज की बैठक में कुल 35 एजेंडों पर मुहर लगाई गई। कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए अपर सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि बैठक में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के तरफ से बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय 2 उच्च विद्यालय शिक्षक (नियुक्ति, प्रोन्नति, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) (संशोधन) नियमावली-2023 को स्वीकृति दी गई है। साथ ही उद्योग विभाग में बिहार सचिवालय लिपिकीय सेवा अन्तर्गत निम्नवर्गीय लिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए अनुशंसित अभ्यर्थियों के लिए उद्योग विभाग के अन्तर्गत निम्नवर्गीय लिपिक (वेतन स्तर-02) के 06 (छह) अतिरेक पदों के सृजन की स्वीकृति के संबंध में स्वीकृत दी गई है।

सिद्धार्थ ने बताया कि शहर से दूर गांवों में इमरजेंसी सेवा की शुरुआत की जा रही है। 112 नंबर पर कॉल कर आकस्मिक सेवा का लाभ अब मिलेगा। पुलिस, एंबुलेंस और आग लगी की घटना की जानकारी इस इंट्रीग्रेटेड सर्विस मिलेगी। इसको लेकर सरकार 766 करोड़ 31 लाख रुपये खर्च करेगी। इसके साथ अब बिहार में चालक भर्ती की नियमावली बदल दी गई है। प्रदेश में हर विभाग में वाहन चालक की बहाली तकनीकी चयन आयोग करेगा। बिहार वाहन चालक भर्ती एवं सेवा शर्त संशोधन नियमावली-2023 की स्वीकृति दी गई है। सीएम के गृह क्षेत्र बख्तियारपुर को लेकर भी एक अहम फैसले पर बैठक में स्वीकृति दी गई। इसके तहत पटना जिला के बख्तियारपुर प्रखंड अंतर्गत गंगा चैनल के दायें तट पर सीढ़ी घाट के निकट पक्का सुरक्षात्मक कार्य एवं कटाव निरोधक कार्य के लिए 56 करोड़ छह लाख रुपये के प्रशासनिक एवं व्यय की स्वीकृति का प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

बिहार पुलिस प्रयोगशाला के निदेशक डॉ श्याम कुमार सिंह को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। उनपर अपनी पत्नी की प्रताड़ना का आरोप है। नीतीश कैबिनेट की इस बैठक में जल संसाधन विभाग के 9 एजेंडों पर मुहर लगी है। कैबिनेट ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में लोरिया डिस्टलरी, पश्चिम चंपारण के कर्मियों के बकाया भुगतान को स्वीकृति दी गयी है। हर घर नल जल योजना के अंतर्गत 3393 छूटे हुए टोलो बसावट में पेयजल की व्यवस्था के लिए 1063 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई।

हत्याकांड में विधायक के देवर का बेटा गिरफ्तार

नवादा। नवादा जिले के नरहट के पीयूष उर्फ छोटू सिंह हत्या के नामजद अभियुक्त हिसुआ के विधायक नीतू कुमारी के देवर सुमन सिंह के पुत्र गोलू कुमार को शुक्रवार को पटना से गिरफ्तार कर लिया गया। नवादा जिले के रजौली के एसडीपीओ पंकज कुमार ने बताया कि भारी मशक्कत के बाद एसटीएफ के सहयोग से उसे पटना के एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया है। गिफ्तारी के बाद पूछताछ में गोलू ने स्वीकार किया है कि छोटू सिंह उसके साथ रहता था लेकिन एक दिन उसके सोने के महंगे चैन चुरा लिए थे। इसी वजह से गुस्सा में पूछताछ के दौरान चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई ।गोलू ने अपने ही गांव के निक्कू और निशांत उर्फ मुन्ना के साथ मिलकर पड़ोसी साथी प्रिंस को 27 तारीख की रात को हत्या कर दिया था ।तब से वह फरार चल रहा था। भारी मशक्कत के बाद वैज्ञानिक जांच में उसके ठिकाने का पता लगा लिया गया।

मुश्किल बर्निंग ट्रेन बनने से बची पुरी-जयनगर एक्सप्रेस

हावड़ा-दिल्ली रूट पर ट्रेनों का आवागमन ठप

पटना। राज्य के जमुई जिले में हावड़ा-दिल्ली रूट पर शुक्रवार को बड़ा रेल हादसा होने से टल गया, जिसमें पुरी-जयनगर एक्सप्रेस बर्निंग ट्रेन बनने से बच गई। दरअसल, सुबह हावड़ा-दिल्ली रूट पर सिमुलतला और घोरपड़ान रेलवे स्टेशन के कोटरवा जंगल के पास रेलवे के ओवर हेड तार में आग लग गयी, जिससे तार धू-धू कर जलने लगा। ओवरहेड तार को और प्रभावित करते खंभे के रॉड को तोड़ते हुए ट्रेन आगे जाकर खड़ी हो गई। इस घटना के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि आग ट्रेन तक नहीं पहुंची। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।

ड्राइवर ने ओवरहेड तार में जोर की आवाज और आग की लपेट देखी लेकिन ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि ट्रेन रोक पाना संभव नहीं था। ड्राइवर चाह कर भी ट्रेन को नहीं रोक सका और ट्रेन ओवरहेड तार को और प्रभावित करते हुए खंभे के रॉड को तोड़कर आगे जाकर खड़ी हो गई। ट्रेन के ड्राइवर आर बेसरा ने सिमुलतला के ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर महेश कुमार को घटना की जानकारी दी।

घटना के बाद अप लाइन पर ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया। पाटलिपुत्र एक्सप्रेस सिमुलतला रेलवे स्टेशन पर खड़ी है तो वहीं हावड़ा मोकामा एक्सप्रेस घोरपाड़न स्टेशन के पास खड़ी है। ओवरहेड तार में आग लगने के बाद हावड़ा-नई दिल्ली मुख्य रेल लाइन के जसीडीह-किउल रेलखंड पर अप मेन लाइन में ट्रेनों का आवागमन ठप हो गया है। पिछले 5 घंटे से इस रूट पर ट्रेनों का परिचालन बाधित है। परिचालन को सामान्य कराने के लिए रेलकर्मी लगातार जुटे हुए है।

डॉ सीबी सिंह और एमएलसी महेश्वर सिंह का विवाद गहराया

सागर सूरज

विशेष समाचार

मोतिहारी एसपी हुए सख्त

थानेदार दोनों ही पक्षों की प्राथमिकी दर्ज करने की बात कहते हुए जांच की बात कह रहे है, सोशल मिडिया पर भारी कन्फ्यूजन परोसा जा रहा है।

बीएनएम@मोतिहारी। जिले के कद्दावर नेता सह एमएलसी महेश्वर सिंह इन दिनों लगातार विवादों में रह रहे है। हाल ही मे हरसिद्धि के एक पंचायत समिति सदस्य को गाली देते वायरल ऑडियो और इसके मुत्तलिक हरसिद्धि थाने मे दर्ज मामले का जांच अभी पूरा भी नहीं हुआ कि एक नये मामले मे एमएलसी श्री सिंह फिर से विवादों मे आ खड़े हुए हैं।

बताया गया है कि नया विवाद एमएलसी महेश्वर सिंह के पुत्र वरुण विजय से जुड़े एक बड़े मामले से है, जिसको लेकर एमएलसी और शहर के प्रसिद् चिकित्सक डॉ सीबी सिंह आमने-सामने आ गए हैं।

मामला मोतिहारी के बालगंगा स्थित बिस्कोमान की एक जमीन को लेकर है, जिसमे दोनों ही पक्ष अपने-अपने दावे कर रहे है। हालांकि जमीन पर डॉ सीबी सिंह का लीज के आधार पर कब्जा बताया जा रहा है।

डॉ सी बी सिंह के दावों पर अगर भरोसा करे तो मौखिक आदेश और बिना लीज पेपर के एमएलसी पुत्र वरुण विजय सैकड़ों लोगों के साथ उक्त जमीन के कब्जे को लेकर आ धमके और मेरे बेटे डॉ विभू परासर को बिजली के करेंट से जान से मरने का प्रयास किया, मुझे धक्का दे दिया और जाते-जाते सभी को जान से मारने की धमकी दे डाली, जबकि एमएलसी महेश्वर सिंह ने बीएनएम को बताया कि मेरे बेटे को उक्त जमीन की लीज मिल गई है और सारे आरोप बेबुनियाद है।

वहीं थानेदार द्वारा दोनों ही पक्षों की प्राथमिकी दर्ज कर लेने की बात कहते हुए जांच की बात कह रहे है, लेकिन मामले को लेकर सोशल मिडिया पर भारी कन्फ्यूजन परोसा जा रहा है।

मामले से संबंधित कागजातों पर नजर डाले तो डॉ सीबी सिंह के नाम 29 अप्रैल 2023 को 5 वर्ष के लिए लीज रिन्यूअल किया गया है और महज दस दिन बाद उसको रद्द कर दिया गया। बताया गया है कि चिकित्सक के नाम 2018 मे ही 5 वर्ष और अतिरिक्त 5 वर्ष का लीज हुआ था।

लेकिन डॉ सीबी सिंह बिस्कोमान से हुए लीज के क्लौज-11 का हवाला देते हुए बताया कि मेरे लीज को कैंसिल करने के तीन माह पहले मुझे सूचित करना है।

क्लौज-25 के अनुसार वे पटना कार्यालय से मामले मे आर्बिट्रेशन कर रहे है, इसी बीच मौखिक आदेश कि बात कहते हुए बिस्कोमान के एक अधिकारी के साथ कथित रूप से करीब सौ की संख्या मे वरुण विजय द्वारा घटना को अंजाम दिया गया।

इधर एमएलसी ने कहा कि सारे आरोप बेबुनियाद है। कोई मार पीट नहीं हुई। वरुण विजय के नाम लीज था उसी को लेकर बिस्कोमान के अधिकारी के साथ वे गए थे, जहां दोनों पक्षों मे गरमा-गरम बहस हुई।

वहीं एमएलसी पक्ष से एक बिस्कोमान द्वारा 5 मई, 2023 का एक पेपर भेजा गया, जिसमें बताया गया कि ये लीज का पेपर है, जबकि यह महज बिस्कोमान द्वारा भेजी गई 12 सूत्री शर्त है, जिसको मानने के बाद लीज देने की बात कही गई है। यानि अभी लीज नहीं मिली है।

मोतिहारी एसपी काँतेश मिश्रा के आदेश पर दोनों पक्षों की प्राथमिकी तो दर्ज कर ली गई, लेकिन गंभीर आरोपों के बाद भी सामान्य धाराओं मे ही मुकदमे दर्ज हुए। रघुनाथपूर पुलिस दीवानी विवाद की बात कह कर एक तरह से परोक्ष रूप से लीज भूमि पर जोर आजमाइश के लिए दोनों ही पक्षों को फ्री कर दिया है।

अब ये तो जांच का ही विषय है दोषी कौन पक्ष है, लेकिन दोनों पक्षों की ओर से बीएनएम को दिए गए कागजातों से ये स्पष्ट है कि एमएलसी पुत्र को लीज का लिखित आश्वासन है ना कि अभी लीज एग्रीमेंट हुआ है। जो भी हो यह मामला भी पुलिस के लिए सिरदर्द बनेंगी।

जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट

तुरकौलिया। जदयू नेता अनीस आलम ने जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में अपने ही भाई की पत्नी को घायल कर दिया है। घटना तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के कोरैया गांव की है। घटना को लेकर शेख असलम आलम की पत्नी नाजया खातून ने थाना पर आवेदन दिया है। जहां उसने बताया है कि वह अपने मकान का निर्माण करा रही थी। जहां मिस्त्री ने बताया कि यहां पर अरवा चावल, 7 लौंग और काला धागा फेंका हुआ है। जहां देखकर वह बोली कि यह सब समान कौन फेंका है। यह बात सुनकर जदयू नेता अनीस के परिजन अफजल आलम, शाहजहां खातून, अफरीदा खातून गाली गलौज करने पहुंच गए। साथ ही अनीस आलम हाथ में नलकटुआ लहराते हुए जान मारने के नियत से दौड़कर आए। जहां गाली-गलौज करते हुए लाठी से मारने लगे। मारते हुए कह रहे थे कि यह जमीन मेरा है। यहां से भाग जाओ नही तो जान मार देगें। जब मारपीट का विरोध किया तो फिर सभी लोग मेरे पति असलम सहित मुझे मारने लगे। इसी दौरान अनीस ने मेरे पति के कनपटी पर नलकटुआ तानकर गोली चला दिया। लेकिन गोली किच कर गई। किसी तरह मेरे पति बच गए, नही तो उनकी जान जा सकती थी। गुस्सा में आकर अनीस लाठी के हुरा से उसके पेट पर मारने लगा। जिससे वह जमीन पर गिर गई। इसके बाद वह बाल पकड़कर घसीटने लगा। जिससे बेपर्द हो गई। साथ ही कलाई पर चोट लगने से खुन बहने लगा। वही ये लोग घर में घुसकर पेटी रड से मारकर तोड़ दिए और देढ़ लाख रुपए लूट कर भाग निकले।

अमित शाह की रैली को सफल बनाने के लिए भाजपा नेता एपी पाठक जन सम्पर्क में जुटे

बगहा। पूर्व एडीजी केंद्र सरकार सह भाजपा नेता एपी पाठक चम्पारण विकास के लिए अपने महत्वाकांक्षी पहल स्चंपारण चरण स्के तहत अपने वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र में महा जनसंपर्क अभियान पर है। गृहमंत्री अमित शाह की आगामी पांच नवंबर को मुजफ्फरपुर में प्रस्तावित रैली को सफल बनाने के लिए बीजेपी कार्यकर्ता और बाबू धाम ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं के संग आम जनता से इन दिनों मिल रहें हैं। इससे पूर्व एक नवम्बर को वाल्मीकिनगर लोकसभा के रामनगर विधानसभा के मंडल अध्यक्ष,कार्यसमिति सदस्य,किसान प्रकोष्ठ,ओबीसी मोर्चा और बूथ शक्ति केंद्र के अध्यक्षों के साथ तैयारी और रणनीतियों पर मीटिंग किए।पुनः 2 नवंबर को नरकटियागंज,बगहा और लौरिया के विशिष्ट लोगों से मीटिंग कर उनको रैली में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया।

शुक्रवार को को जोगापट्टी,दियारा क्षेत्र,और वाल्मीकिनगर लोकसभा के भाजपा कार्यकर्ता और अन्य लोगों से मिल- जुलकर रैली में भाग लेने के लिए पाठक ने निमंत्रण दिया।

उल्लेखनीय है कि देश के प्रधानमन्त्री को अपना आदर्श और गृहमंत्री को अपना राजनीतिक आदर्श मानते हुए एपी पाठक ने भाजपा की सदस्यता ली है। वे लगातार भाजपा से युवा और महिलाओं को जोड़ने के लिए काम कर रहें है। साथ ही मोदी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को लोगों के बीच जाकर गिना रहे हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने संवाददाताओं से बताया कि गृहमंत्री की मुजफ्फरपुर की रैली में हजारों लोगों के साथ वो भाग लेंगे और रैली को सफल बनाने हेतु भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में काम लगातार काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता उनके परिवार के सदस्य की भांति है। जहां सभी लोग बिना आपसी प्रतिस्पर्धा के रैली को सफल बनाने हेतु प्रयासरत है।

निदान 116 लोगों ने शिकायतों से जिलाधिकारी को कराया अवगत

जनता दरबार में DM ने किया ऑन-द-स्पॉट समाधान

बेतिया। पूर्व निधारित कार्यक्रम के अनुसार आज जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निष्पादन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में कुल-116 मामले आये। जिन मामलों का समाधान नहीं हो पाया, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। जनता दरबार में कई समस्याओं/शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनता दरबार में जिन लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया, उनमें संजीव अशोक, मुन्ना साह, दिनेश कुमार, म. सगीर, गौरीशंकर साह, ठाकुर साह, किशोर साह, भुटन महतो, अनिशा कुमारी, रम्भा देवी, ज्ञानचन्द्र साह, रामबाबू राम, विजय कुमार सहनी, रबिना खातून, श्रीकांत राम, यमुना साह आदि के नाम शामिल है।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अनिल कुमार, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल राय, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, कुमार रविन्द्र, वरीय उप समाहर्ता, डॉ. राजकुमार सिन्हा, बेबी कुमारी, एसडीएम, बेतिया, विनोद कुमार सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर लीक होने से झुलसा युवक

मोतिहारी। जिले के दरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत भतनहिया गांव में खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर लीक होने से लगी आग को बुझाने के क्रम में पाँच लोग झुलस गयें। घायलों को सदर अस्पताल मोतिहारी रेफर किया गया जहां ईलाज चल रहा है । घायलों में जगू राम 55 वर्ष ,जगू राम की पत्नी उर्मिला देवी 50 वर्ष,बेटा सूरज कुमार 12 बर्ष,पड़ोसी प्रदीप कुमार 40 वर्ष व मुकुंद कुमार 10वर्ष जिसमें दो को मुजफ्फरपुर रेफर किया गया है। घायलों में सभी की स्थिति चिंताजनक बतायी जा रही है।

10 से 20 नवम्बर तक 0–5 वर्ष तक के बच्चों को पिलायी जाएगी पोलियोरोधी दवा

मोतिहारी। जिले में 10 से 20 नवम्बर तक 0-5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से बचाव को पोलियोरोधी दवा पिलायी जाएगी। इसको लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति के अपर कार्यपालक निदेशक द्वारा सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है।

उन्होंने निर्देशित किया है कि जिले में बाहरी राज्यों व पड़ोसी देश नेपाल से दीपावली व छठ पर्व में आने वाले बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाने के लिए सभी बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, छठ घाटों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर टीकाकर्मियों को प्रतिनियुक्त किया जाए। इस सम्बन्ध में जिले के डीआईओ डॉ. शरतचंद्र शर्मा ने बताया कि पूर्वी चम्पारण जिला के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, छठ घाट, ट्रांजिट स्थलों पर 10 से 20 नवंबर तक पोलियो के विशेष दल द्वारा बिहार में बाहर के आने वाले 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलायी जाएगी।

उन्होंने बताया कि छठ पर्व के दौरान बिहार में राज्य के बाहर से परिवारों का आगमन होता है। जिससे जिले में पोलियो वायरस के आने की संभावना रहती है। अतः बिहार को पोलियो मुक्त बनाए रखने हेतु दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान बाहर से आने वाले तथा बिहार से जाने वाले 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिलान्तर्गत आदापुर, अरेराज, चकिया, छौड़ादानों, चिरैया, ढाका, घोड़ासहन, केसरिया, मधुबन, मेहसी, मोतिहारी शहरी क्षेत्र, पहाड़पुर, पकड़ीदयाल, रामगढ़वा, रक्सौल, सुगौली, तुरकौलिया प्रखंड क्षेत्रों में चिह्नित रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, छठ घाटों पर कुल 83 ट्रांजिट स्थलों पर 10 से 20 नवंबर तक पोलियो के विशेष दल द्वारा 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को प्रतिरक्षित ड्रॉप की खुराक पिलायी जाएगी। पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देश में हाल में पोलियो संक्रमण का मामला सामने आने के बाद पूरे देश में इसे लेकर विशेष चौकसी बरती जा रही है। गौरतलब है कि बिहार पोलियो मुक्त राज्य घोषित हो चुका है।

बावजूद इसके दुनिया में कहीं भी पोलियो का वायरस मिलने के बाद बिहार सहित देश के अन्य हिस्सों में इसके प्रसार का खतरा बरकरार है। दीपावली एवं लोक आस्था का महापर्व छठ में बड़ी संख्या में बाहरी राज्यों में बसे लोगों का बिहार आगमन होता है। लिहाजा जिला सहित राज्य के अन्य हिस्सों में इसे लेकर विशेष एहतियात बरती जा रही है।

भारत नेपाल सीमा एसएसबी व तस्कर के तालमेल से फल फुल रहा है अवैध कारोबार

बीएनएम@मोतिहारी।भारत नेपाल की खुली सीमा का लाभ इन दिनों एसएसबी व तस्कर खूब उठा रहे है। दोनो देशों के सुरक्षा कर्मी व तस्कर के बीच आपसी तालमेल होने के बाद कपड़ा, प्याज, आलू, चीनी, चावल, बिस्कुट, कबाड़, मवेशी, उर्वरक व चायपति आदि की तस्करी बढ़ गईं है। इससे बॉर्डर पर रात्री ग्यारह बजे से पांच बजे सुबह तक तस्करो की चहलकदमी अधिक रहती है। उक्त तस्कर के द्वारा नेपाल भेजे जाने वाले समानों को बॉर्डर से सटे लाला छपरा गांव में संचालित कबाड़ में उक्त सामानों को एकत्रित किया जाता है। पुलिस व एसएसबी से हरी झंडी मिलते ही रात्रि दस बजे से सुबह पांच बजे तक उक्त समानों को भेजकर तस्कर निश्चिंत हो जाते है। भेजने के एवज में बॉर्डर ट्रिप टैक्स के नाम से तय राशि की वसूली किया जाता है। बताया जाता है कि बाइक से एक हजार, साइकिल से पांच हजार, कबाड़ की गाड़ी से पांच हजार, कपड़ा बंडल से पन्द्रह सौ फिक्स है। जबकि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने व खुफिया रिपोर्ट देने के लिए एसएसबी का एक घुमुवा भी कार्य करता है। लेकिन उनलोगो की भी इस गतिविधि में संलिप्तता होने की बात बताई जा रही है। उक्त समानों की तस्करी का मुख्य मार्ग मूशहरवा, घोड़ासहन, रामपुर, इनरवा, बेलदारवा, लालाछापरा, जमुंनभार, ठकुरैया टोला मूर्तियां, कोरैया, महुआवा के बीच में गुजरने वाली नेपाल तक सैकड़ों पगडंडी, कच्ची सड़को का इस्तेमाल करते है। यह गतिविधी कई महीनो से बॉर्डर पर चल रहा है। इनरवा, बेलदारवा, लालाछापरा, जमुंनभार, ठकुरैया टोला मूर्तियां, कोरैया, महुआवा के बीच में गुजरने वाली नेपाल तक सैकड़ों पगडंडी, कच्ची सड़को का इस्तेमाल करते है। यह गतिविधी कई महीनो बॉर्डर पर चल रहा है। इस संबंध में डिप्टी कमांडेंट विश्वजीत तिवारी ने कहा मामले की जाँच की जा रही है।

बेतिया में CMO की स्कॉर्पियो दीवार तोड़कर दुकान में घुसी, बाल–बाल बचे लोग

बेतिया। बेतिया सीएमओ की गाड़ी दुर्घनाग्रस्त हो गई। अनियंत्रित स्कॉर्पियो दो बाइक सवार को रौंदते हुए दुकान में घुस गई। इस घटना में बाइक सवार एक युवक घायल हो गया है, जिसका इलाज जिले के निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना जिले के मोहर्रम चौकी की गुरुवार की देर शाम की बतायी जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि स्कोर्पियो काफी तेज गति में थी। इसी दौरान दो बाइक सवार को धक्का मार दिया। इसके तुरंत बात सड़क किनारे दीवार को तोड़ते हुए गाड़ी दुकान में घुस गई। जख्मी युवक की पहचान कुमारबाग एसबीआई ब्रांच के अमित राज के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने जख्मी को अस्पताल में भर्ती कराया। इस हादसे में स्कॉर्पियो के आगे का हिस्सा झतिग्रस्त हो गया है। घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई। जिस गाड़ी से हादसा हुआ है, उसपर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी बेतिया लिखा हुआ है। स्थानीय लोग बता रहे हैं कि स्कॉर्पियो चालक नशे में था, इसी कारण हादसा हो गया है। हालांकि चालक ने इस बात से इनकार किया है। वह बता रहा है कि दुकान बंद कर घर जा रहा था, इसी दौरान हादसा हो गया, उसने शराब नहीं पी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चालक को पकड़ कर थाने ले गई।

प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र के शीतकालीन सत्र में प्रवेश हेतु ली गयी परीक्षा

मोतिहारी। शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में बिहार सरकार के पिछड़ावर्ग एवं अति पिछड़ावर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित एवम संपोषित प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र में शीतकालीन सत्र में प्रवेश हेतु शुक्रवार को प्रवेश परीक्षा का आयोजन संपन्न हुआ जिसमें कुल 234 अभ्यर्थियों ने भाग लिया और विधिवत परीक्षा दी। केंद्र के समन्वयक प्रो.अमरजीत कुमार चौबे ने बतलाया कि परीक्षा का परिणाम दिनांक 04 नवंबर को प्रकाशित कर दिया जाएगा। इसी प्रकार क्वालीफाई अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा दिनांक- 05 नवंबर को ली जाएगी। केंद्र के निदेशक प्रो.(डॉ.)अरुण कुमार ने बतलाया कि 06 नवंबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी तथा इसे शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। प्रवेश परीक्षा विधिवत संपन्न कराने में डॉ.मनीष कुमार झा, डॉ.अमित कुमार, डॉ.नरेंद्र सिंह, आलोक कुमार, सुधीर कुमार, मुन्ना कुमार, लालू चौधरी, मुकेश कुमार,अंजीत कुमार, मुन्ना पंडित, संतोष कुमार, संजीव कुमार और सूबेदार प्रदीप दूबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर निदेशक डॉ.अरुण कुमार ने दी है।

कैंप ‘एक भारत :श्रेष्ठ भारत’ कैंप के आठवें दिन रौनक रही बरकरार

ग्रुप कमांडर ने किया एनसीसी कैम्प निरीक्षण

मोतिहारी। जिले के पिपराकोठी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में 25 बिहार बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में संचालित ‘एक भारतःश्रेष्ठ भारत’ कैंप के आठवें दिन शुक्रवार को मुजफ्फरपुर ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर सह कैंप कमांडेंट ब्रिगेडियर नीलकमल(सेना मेडल एवं विशिष्ट सेवा मेडल)ने कैंप का सघन मुआयना किया। इस क्रम में क्वार्टर गार्ड द्वारा ₹गार्ड ऑफ ऑनर₹ प्रदान किया गया। क्वार्टर गार्ड में एनसीसी थल सेना,जलसेना और वायु सेना के कैडेटों ने संयुक्त रूप से गार्ड ऑफ ऑनर में हिस्सेदारी की। कमांडर द्वारा सलामी लिए जाने के उपरांत क्वार्टर गार्ड का विधिवत निरीक्षण किया गया और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। अपनी-अपनी विशिष्ट वर्दियों में क्वार्टर गार्ड के कैडेट्स एक अनोखा समां बांध रहे थे। इसके पश्चात कमांडर द्वारा कैडेटों के आवासीय स्थान लाइन एरिया का मुआयना किया गया। वहां की साफ-सफाई की कमांडर द्वारा प्रशंसा की गई। उन्होंने मेस एरिया का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्था के प्रति संतोष जाहिर किया। कैंप में कैडेटों द्वारा बास्केट बॉल और वॉली बॉल के सेमी फाइनल लीग मैच का आयोजन किया गया।निरीक्षण क्रम में ग्रुप कमांडर के साथ 25 बिहार बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर सह कैंप के डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल प्रदीप कुमार सिंह(सेना मेडल)भी शामिल रहे। इस अवसर पर पीआई स्टाफ हवलदार पूर्णा घाले,हवलदार मनीष कुमार,हवलदार उलझन थापा,हवलदार कैलाश गुरुंग आदि मौजूद रहे।यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कैप्टन(डॉ.)अरुण कुमार ने दी है।

समीक्षा : टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है

विवेक रंजन श्रीवास्तव , भोपाल

किताब की शुरुवात लेखक के मन में उद्भूत विचारों से होती है. लेखक लिखता है . कम्पोजर कम्पोज कारता है. अक्षर शब्द और शब्द वाक्य बन जाते हैं, भाव मुखर हो उठते हैं. प्रकाशक छापता है. समारोह पूर्वक किताबों के विमोचन होते हैं. समीक्षक चर्चा करते हैं. किताब विक्रेता से होते हुये पाठक तक पहुंचती है. पाठक जब पुस्तक पढ़कर लेखक की वैचारिक यात्रा में बराबरी से भागीदारी करता है, तब किंचित यह यात्रा गंतव्य तक पहुंचती लगती है.

रचना के दीर्घगामी प्रभाव पड़ते हैं. लेखक सम्मानित होते हैं, पाठक रचनाकार के प्रशंसक, या आलोचक बन जाते हैं. अर्थात किताब की यात्रा सतत है, लम्बी होती है. अशोक व्यास व्यंग्य के मंजे हुये प्रस्तोता हैं. टिकाऊ चमचों की वापसी उनकी दूसरी किताब है. सुस्थापित लोकप्रिय, भावना प्रकाशन से यह कृति अच्छे गेटअप में प्रकाशित है.

सूर्यबाला जी ने प्रारंभिक पन्नो में अपनी भूमिका में पाया है कि लेखक अपने व्यंग्य कर्म में कहिं भी असावधान नहीं है. लालित्य ललित ने संग्रह के व्यंग्य पढ़कर आशा व्यक्त की है कि अपने आगामी संग्रहों में लेखक की चिंताये और व्यापक व अंतर्राष्ट्रीय हों. इस संग्रह में बत्तीस व्यंग्य हैं. पाठको के लिये विषयों पर सरसरी नजर डालना जरूरी है. अंग्रेजी घर पर है ?, अजब गजब मध्य प्रदेश , अध्यक्ष जी नहीं रहे. अध्यक्ष जी अमर रहें, आइए सरकार, जाइए, आभासी दुनिया का वास्तविक बन्दा, कलयुग नाम अधारा आपका आधार कार्ड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भारतीय तरीका, कोरोना कल्चर का प्रभाव, कोरोना की कृपा, गोद ग्रहण समारोह, जा आ आ जा आ आ दू !

जा आ आ दू , टिकाऊ चमचों की वापसी, ताली बजाओ ताल मिलाओ, दामाद बनाम फूफाजी, बुरा नहीं मानेंगे... चुनाव है, भारत निर्माण यात्रा, मध्यक्षता करा लो... मध्यक्षता, रंगबाज राजनीति, लिव आउट अर्थात छोड़ छुट्टा, विश्व युद्ध की संभावना से अभिभूत , सड़क बनाएँ, गड्ढे खोदें सतर्क मध्यमार्गी , सत्तर प्लस का युवा गणतन्त्र, साहित्यमति का बाहुबली साहित्यकार, सेवा के लिए प्रवेश, ज्ञान के लिए प्रस्थान, सोशल मीडिया के ट्रैफिक सिग्नल, हलवा वाला बजट , हाँ. मैं हूँ सुरक्षित !

होली के रंग बापू के संग, ईश्वर के यहाँ जल वितरण समस्या, जैसे दूरदर्शन के दिन फिरे और पोस्ट वाला ऑफिस डाकघर शीर्षकों से हजार, पंद्रह सौ शब्दों में अपनी बात कहते व्यंग्य लेखों को इस पुस्तक का कलेवर बनाया गया है. टाइटिल लेख टिकाऊ चमचों की वापसी से यह अंश उधृत करता हूं, जिससे आपको रचनाकार की शैली का किंचित आभास हो सके. प्लास्टिक के चमचों की जगह फिर धातुओ के चम्मचों का इस्तेमाल पसंद किया जा रहा है, यूज एण्ड थ्रो के जमाने में स्थायी और टिकाउ चमचों की वापसी स्वागत योग्य है . वह चमचा ही क्या जो मंह लगाने के बादस फेंक दिया जाये ... जैसे स्टील के चमचों के दिन फिरे ऐसे सबकें फिरें ... . अशोक व्यास अपने इर्द गिर्द से विषय उठाकर सहज सरल भाषा में व्यंग्य के संपुट के संग थोड़ा गुदगुदाते हुये कटाक्ष करते दिखते हैं .

परसाई जी ने लिखा था बलात्कार कई रूपों में होता है . बाद में हत्या कर दी जाती है . बलात्कार उसे मानते हैं जिसकी रिपोर्ट थाने में होती है. पर ऐसे बलात्कार असंख्य होते हैं जिनमें न छुरा दिखाया जाता है न गला घोंटा जाता है , न पोलिस में रपट होती है।

अशोक जी ने हम सबके रोजमर्रा जीवन में हमारे साथ होते विसंगतियों के ऐसे ही बलात्कारों को उजागर किया है, जिनमें हम विवश यातना झेलकर बिना कहीं रिपोर्ट किये गूंगे बने रहते हैं . उनकी इस बहुविषयक रिपोर्टो पर क्या कार्यवाही होगी ? कार्यवाही कौन करेगा ? सड़क पर लड़की की हत्या होती देखने वाला गूंगा समाज ? व्हाटस अप पर क्रांति फारवर्ड करने वाले हम आप ? या प्यार को कट पीसेज में फ्रिज में रखकर प्रेशर कुकर में प्रेमिका को उबालकर डिस्पोज आफ करने वाले तथाकथित प्रेमी ?

हवा के झोंके में कांक्रीट के पुल उड़ा देने वाले भ्रष्टाचारी अथवा सत्ता के लिये विदेशों में देश के विरुद्ध षडयंत्र की बोली बोलने वाले राजनेता ? इन सब के विरुद्ध हर व्यंग्यकार अपने तरीके से, अपनी शैली में लेखकीय संघर्ष कर रहा है . अशोक व्यास की यह कृति भी उसी अनथक यात्रा का हिस्सा है . पठनीय और विचारणीय है .

पुस्तक चर्चा

टिकाऊ चमचों की वापसी
अशोक व्यास
भावना प्रकाशन, दिल्ली
संस्करण २०२१
अजिल्द , पृष्ठ १२८, मूल्य १९९ रु
चर्चा... विवेक रंजन श्रीवास्तव, भोपाल

मैं कह सकता हूं कि टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है. अशोक व्यास संवेदना से भरे, व्यंग्यकार हैं . संग्रह खरीद कर पढ़यि आपको आपके आस पास घटित, शब्द चित्रों के माध्यम से पुनः देखने मिलेगा . हिन्दी व्यंग्य को अशोक व्यास से उम्मीदें हैं जो उनकी आगामी किताबों की राह देख रहा है.

एक लम्बी उड़ान सफलता की ओर

ये है जानभी चौधुरी, जो की ओड़शिा की रहने वाली है। ये एक ग्रेजुएट शिक्षक है। इन्हे संगीत गाना, पेन स्केच करना, प्रकृति फोटोग्राफी करना, सबकी मदत करना, नया कुछ सिखना और नृत्य करना बेहत पसंद है। पहले से इनको लिखना इतना पसंद नहीं था, मगर इनके जीबन में कुछ ऐसा हुआ की, वह डिप्रेशन से गुजरने लगी थी, उनकी मानसिक स्थिति का असर उनके पढ़ाई और तबीयत पर होने लगा, उनकी दशा बहुत बुरी हो गयी थी मगर तभी से उन्होंने लिखना शुरू किया, अपने अंदर के जज़्बातों को कागज़ में ज़ाहिर करना शुरू किया।

अपने हाल को शब्दों में पिरोना शुरू किया। मगर वह कभी हार नहीं मानी और डटकर अपने परिस्थिति का सामना किया और तब इनके माता -पिता ने ही इनका खोया हुआ आत्मबिस्वास बढ़ाया।

वह कहती है, सब हमे समझाने लगे मगर असर तब हुआ जब हम खुदके साथी बने, खुदसे प्यार करना सीखा और अँधेरे में गिरते -संभलते उसने अकेले रोशनी में चलना सिख ही लिया। और आज उन्हे लिखते -लिखते 3-4 साल हो गए हैं।

वह बिश्वास करती है, जो पहले लिखना

पसंद नहीं करती थी आज उसी लेखन से उसके जीबन को एक नयी दिशा दे दी है और ऐसी कोई जगह नहीं है की, जहाँ उनका लिखन न हो, उन्हे कविता, गद्य, शायरी, मोटिवेशनल स्टोरी और अनुच्छेद लिखना बहुत पसंद करती हैं।

स्टोरी मिरर पर भी उनका लिखन है और वह पॉडकास्ट भी करती है। आज न जाने कितने भटके लोगों को वह रास्ता दिखा चुकी हैं। उनका लक्ष्य है की वह सबकी मदत करें, जिस अवस्था से वह गुज़र चुकी है, उससे कोई और न गुज़रे

।वह समाज के लिए आज के युवा के लिए अपने लिखन के माध्यम से मदत करना चाहती है। उनका इंस्टाग्राम पेज है, जहाँ वह 2000+ से ज़्यादा लोगों से जुडी हुई है, अपने लिखन और वॉइस ओवर रील्स के माध्यम से। उनका लक्ष्य है, की वह कभी करोड़ों लोगों की आवाज़ बने, एक मोटिवेशनल स्पीकर बने और लोगों को प्रेरित करें। ये बहुत संकलन में काम कर चुकी है अभी भी कर रही है , बहुत संकलन में ये खुद संकलक भी रह चुकी हैं। इनकी अपनी संकलन है, कलयुग- काल का युग , दिल की बातें (Sarvad Publication), हाल -ए -ज़दिगी - The Untamned (Brown Page Publication), Culture Vs Modernity (Ek Shayar Ki Baate Publication), 90's Memories-The Nostalgia Alert (Uniq Publication) और हाली में लांच हुआ है, माँ -एक सच्ची कहानी, एक संघर्ष की निशानी (JEC Publication) और बहुत से समाचार पत्र में भी प्रकाशित हुई है। जैसे की, संस्कार समाचार, The Gram Today समाचार, Redhanded समाचार, हम हिंदूस्तानी USA (एक साप्ताहिक हिंदी बिदेशी समाचार पत्र), Coalfield Mirror समाचार, युग जागरण समाचार, दैनिक रोशनी समाचार, रुहेला टाइगर्स टाइम्स समाचार, दैनिक साहित्य समाचार, इंदौर समाचार, भारत टाइम्स समाचार, झंझट टाइम्स और राजगीर फ्रंटलाइन समाचार पत्र।इन्हे बहुत पदक, सम्मान पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

विश्वाकाश ग्रंथ रचनाकार के द्वारा सम्मानित पत्र प्राप्ति हुई है इन्हे। विश्वाकाश के चमकते सूर्य 2023 में मिला है इन्हे सम्मान पत्र।

इनकी पुस्तके Amazon, Flipkart पर है और Play Book Store पर भी है। और ये सफलता का श्रेय अपने ईश्वर, अपने पिता -माता और अपने करीबी लोगों को देती है।और बिश्वास करती है की अगर आत्मबिस्वास हो तो इंसान अपनी परिस्थिति का सामना कर, अपनी किस्मत खुद बदल सकता है।

संध्या चतुर्वेदी, मथुरा, उप्र

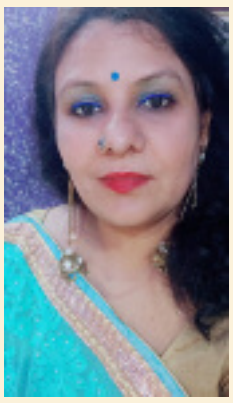

कैसी यह मुहब्बत

कैसी यह मुहब्बत है दोस्तो
कट रही रोज टुकडों में दोस्तों

जब प्यार था तब घर वार छोड़ दिया
आज उस ने ही यार प्यार छोड़ दिया

दिल से उतार फैंक दो उसे तुम
जिसने तुझे दिल से निकाल दिया

सौ टुकड़ो में कटने से अच्छा है
कि अकेले जिंदा रह लेना दोस्तों

जिंदगी जीने की सौ वजह ढूंढ लेना दोस्तों
तुम्हारे साथ जो हो रहा उस से उबर कर

दूसरों के लिए थोड़ा जी लेना दोस्तों
गम न करना मुहब्बत गंवाने का जरा भी

मिलती नहीं यह जिंदगी दुबारा तो
कुछ अपनी फिक्र कर लेना दोस्तों।।

ममता सिंह राठौर कानपुर

कदम भी अपना सफर

मोहब्बत लिखा तो पूछा यह क्या लिखा
नफरतों में यही सवाल किसके लिए लिखा।।

अरे बाबा लिखने दीजिए ख़ुद से जीने दीजिए
मन के विस्तृत आंगन में आने _ जाने दीजिए।।

अनुभवों के रंग से जिंदगी रगने दीजिए
अरे बाबा जिंदगी के स्वाद को चखने दीजिए।।

हदों के पार का ख़ामोश देखिए
मोल _तोल के बीच का झोल देखिए।।

अरे देखिए तो सही
जिंदगी का कड़वा कठोर देखिए
कदम भी अपना सफर भी अपना चलते चलिए।।

कही _सुनी कुछ _तुड़ी मुड़ी
मीठी खट्टी मिली जुली
यह जिंदगी किसकी खातिर,
मन के माफिक कौन है साथी।।

व्यंग्य: वामन का मंतव्य!

अनूप श्रीवास्तव

भरोसा शब्द भले ही तीन अक्षरों का है लेकिन अवसर आने पर यह पूरे त्रिलोक को नाप सकता है,भले ही आप कहें कि इसके पीछे वामनी राजनीति है । 'वामन' का मन्तव्य कभी त्रिलोकेश्वर से रहा होगा, पर अब मन्तेश्वर के इर्द गिर्द सिमट चुका है ।

कहते हैं त्रिलोकी नाथ ने जब समुद्र मंथन किया था, रत्न निकलने तक सभी को उनपर भरोसा था लेकिन त्रिलोक सुंदरी और अमृत घट यानी सत्ता सुंदरी और नौकरशाही को हथियाने की नौबत आते ही देव दानवों का भरोसा दो फाड़ हो गया जिसके चलते विष्णु भगवान को भी तमाम पापड़ बेलने पड़े । उन्हें स्वयम सत्ता सुंदरी का मुखौटा लगाना पड़ा। नतीजा यह हुआ कि सत्ता पाने के लिए दोनों पक्ष प्रतिबद्ध हुए। राहु और केतु समझदार निकले उनकी भूमिका आज भी यथावत है। भरोसा उनके बीच कन्दुक की तरह इधर उधर भागता दिखाई दे रहा है।

दरअसल राहु और केतु ही आज की नौकरशाही है जो देव और दानवों को प्रोटोकाल का मुखौटा दिखाकर भरोसेमंद बनी हुई है लेकिन इसी बीच सोशल मीडिया तो प्रोटोकाल का भी बाप निकला और देखते ही देखते खुद को 'किंगमेकर'साबित करने पर तुल गया और इसे साबित करते हुए उसने एक आम आदमी को सड़क से उठाकर राजसिंहासन पर बिठा दिया, यही नहीं एक अच्छे खासे नेता को चाय वाले का चोला पहना कर सत्ता के शिखर पर पहुंचा दिया। वैसे सोशल मीडिया कोई नई ईजाद नहीं है। इसे केवल पत्रकारिता और नौकरशाही का गठजोड़, ऐसी पत्रकारिता जो हवा में गांठ लगाने में माहिर हो।

खबरों के मन माफिक कसीदे काढ़ने में सक्षम हो साथ ही सत्ता में सेंध लगाने में भी माहिर हो । पत्रकारिता का ऐसा अद्भुत मुखौटा देखकर नौकरशाही के भी कसबल ढीले हो गए। नौकरशाही को लगा अगर उसने इस मुखौटे को वाकओवर न दिया तो उनका अपना मुखौटा भी उतर जाएगा । पत्रकारिता पहले भी ऐयारी थी और आज भी है। सोशल मीडिया का मन्तव्य भी एक तरह से ऐयारी ही है।

इसे इस तरह से समझें-जब राजा भोज की दुनिया भर में तूती बोल रही थी अचानक न जाने किस दुरभि सन्धि से एक किस्सा गो ऐयार दूरदराज से प्रकट हुआ और उसने सिंहासन बत्तीसी की बत्तीस कहानियां सुनाकर राजा भोज के आस्तित्व को दीन दुनिया से बाहर कर दिया और किस्सा कहानी के अमूर्त नायक को चक्रवर्ती सम्राट के रूप में प्रतिष्ठित कर दिया। राजा भोज का बजूद भी नहीं बचा। इतिहास गया तेल लाने। सोशल मीडिया ने यह साबित कर दिया कि उसकी तथाकथित ऐयारी बड़े बड़ों को पानी पिला सकती है। नौकरशाही को भी धूल चटा सकती है। तभी से नौकर शाही के साथ नेताशाही भी नतमस्तक है ।

बस एक दूसरे का मुखौटा बचा रहे । भरोसा का भूत सिर पर चढ़ कर बोलता है, न देखता है, न सुनता है, न समझता है,बस हवा में ही गांठे लगाता रहता है। राजनीति कूटनीति के भरोसे चलती है। पहले भी कूटनीति सेठाश्रयी होती थी और ब्याजनीति के भरोसे चलती थी अब बदलते समय मे भरोसा गड्ड मड्ड हो रहा है। सरकारों के भरोसे का भी यही हाल है। एक सरकार पांच साल के भरोसे पर आती है। भरोसा टूटते ही सत्ता के खेल से बाहर होते देर नहीं लगती।

कभी सरकार गरीबों के भरोसे थी सरकार बदली तो राम भरोसे हो गयी। अब हाल यह है कि राम मंदिर बने न बने सरकार उनके नाम पर बनती बिगड़ती रहती है। खैर भरोसा मंदिर पर हो न हो,कभी वह सीबी आई के भरोसे था। अब अदालत के भरोसे पर टिक गया है जो फंस गए वे न्याय की देवी को अंधा बता रहे हैं और जो बच गए वे स्वयम को अदालत की दूरदृष्टि के कायल जता रहे हैं। अब चाहे सूखे का मुद्दा हो या डांस बार अथवा बैंकों के घोटाले का भरोसा दरकता रहता है । जनता का भरोसा कब तक किस पर टिका रहता है यह समय ही बताएगा।

धर्म तक से लोगों के भरोसे पर ग्रहण लगने की स्थिति आ गयी है। विधायिका और न्याय पालिका पर लगते ग्रहण को देखते हुए न्याय पालिका पर ही भरोसा बचा है। दूसरा और विकल्प भी क्या है। भरोसे के खम्बे में चाहे कितनी ही दरारे हों कहलाता भरोसे का खम्भा ही है। भरोसे का कन्धा न हो तो भरोसे के धंधे का क्या होगा। धंधे का खेल खेलने वालों को भरोसा बनाये रखने की जिम्मेदारी होती है। देश सेवा जब धंधे में बदल गया हो तो अंधे को भी मालुम है कि बिना मेवे के देश सेवा करने का जमाना लद गया। अगर मेवा भी सड़ा निकल गया तो भरोसे को कन्धा बदलते देर नहीं लगेगी। यह दौर ही दूसरा है। अब राजनीति भी कंधे पर बंदूक लेकर चलती है। वे दिन लद गए जब टोपी को लाठी बनाकर कोई नेता निकलता था तो बड़ी से बड़ी ताकतें उसका लोहा मानती थी। उसकी टोपी लाठी को भी मात करती थी।

अब राजनीति भले ही कितनी ही मजबूत हथियारों से समृद्ध हो गई हो पर वह भरोसे की लाठी कहीं भी नज़र नहीं आ रही है।उल्टे भरोसे पर गाँठपर गांठ लगती जा रही है । भरोसा किस घाट जाकर लगेगा ? खुदा ख़ैर करे !

सी पी 5,सेक्टर सी अलीगंज पत्रकार कालोनी लखनऊ।
मो. 9335276946

विधवा जीवन क्यूँ त्रासदीपूर्ण?

शाहाना परवीन शान

...बेवा, राँड, मृतभर्तृका व विधवा आदि नामों से जाना जाने वाला यह शब्द अपने गंभीर व सोचनीय प्रश्न लिए सदियों से समाज में कंलक के साथ जी रहा है। विधवा से तात्पर्य उस स्त्री से है जिसका पति मर चुका हो। एक महिला जिसके पति की मृत्यु चाहे कभी भी हुई हो पर उस स्त्री के माथे पर एक कलंक लग जाता है कि इसका पति मर चुका है और वह बिना पति की है। अब यह स्त्री पूर्ण रुप से बेकार है या यह भी कहा जा सकता है कि बिना पति स्त्री रद्दी है।

जिस प्रकार एक पुरुष का अपना अस्तित्व होता है उसी प्रकार एक पत्नी का भी अपना स्वयं का अस्तित्व है, फिर उसे पति के जीवन के साथ क्यों जोड़ा जाता है ? क्यों बार बार उसे यह अहसास करवाया जाता है कि जब तक पति जीवित था तब तक उसकी पहचान थी, पति के मरते ही सब कुछ खत्म ? विधवा शब्द कहकर सम्बोधित क्यूँ करें ? यदि एक स्त्री का पति मर जाता है तो उसे लोगों द्वारा विधवा कहकर क्यों सम्बोधित किया जाता है ? अरे भाई ! जब पति की अपनी पत्नी मर जाती है और वह विधुर हो जाता है तब उसे तो कोई विधुर नहीं कहता फिर एक स्त्री को क्यों बार बार विधवा कहकर कमज़ोर बना दिया जाता है ? या यह अहसास कराया जाता है कि वह अब बहुत क्षीण हो चुकी है।

यदि इसका भावनात्मक रुप देखा जाए तो विधवा शब्द एक पत्नी को पति को खो देने के बाद उसके जीवन के सबसे भारी नुकसान की ओर इशारा करता है। देश के कुछ हिस्सों में बल्कि कहना चाहिए कि शायद दुनिया भर में विधवाओं के साथ बर्बरता पूर्ण व्यवहार किया जाता है। विधवा स्त्री के लिए कपड़े भी निश्चित कर दिए जाते हैं : विधवा स्त्री के लिए कपड़े भी निश्चित कर दिए जाते हैं कि उन्हें क्या पहनना है और क्या नहीं जबकि एक विधुर पति के लिए इस प्रकार की कोई रोक -टोक देखने को नहीं मिलती कि उसे क्या पहनना है और क्या नहीं पहनना ?

विधवा घर के बाहर कदम रखती है तो लोगों के द्वारा अपने घरों व खिड़कियों से झांक कर देखा जाता है जबकि विधुर पर कोई ध्यान नहीं देता। सफेद कपड़े पहने और मायूसी में लिपटी महिलाओं के चेहरे की उदासी किसी को दिखाई नहीं देती। हाँ, दिखाई देता है तो विधवा होकर किसी गैर पुरुष से उसका बात कर लेना, विधवा होकर किसी के साथ हंस- बोल देना, विधवा होकर स्वतंत्रता के साथ जी लेना। क्यूँ ऐसा है कि विधवाओं को कोई कुछ नहीं समझता ?

अरे ! वे पहले एक इंसान हैं बाद में विधवा है। विधवा होना कोई पाप तो है नहीं फिर घृणा कैसी ? इतना भेदभाव क्यूँ ? एक किस्सा याद आ रहा है सुनंदा का विवाह पांच साल पहले दीपक के साथ हुआ था। दोनो एक बस दुर्घटना में घायल हो गये थे पत्नी बच गई और पति की कुछ दिनों के बाद मौत हो गई। सुनंदा को अभागन का नाम देकर घर से बाहर विधवा आश्रम में भेज दिया गया। कोई पूछे कि सुनंदा की ग़लती बताओ, अपराध बताओ, क्या किसी के पास इस बात का कोई उत्तर है ? अगर हो जाता विपरीत तो क्या विधुर पति को भी घर से बाहर भेज दिया जाता ? उसे भी विधुर आश्रम में रखा जाता ? पर एक क्षण के लिए यदि हम सोचें तो विधुर आश्रम तो कहीं है ही नहीं ? विधवा स्त्री की छवि शुरू ही से ऐसी बना दी जाती है कि वह दूर खड़ी सबसे अलग दिखाई पड़ती है। कोई उससे ढंग से बात नहीं करना चाहता, गले लगाना या गले मिलना तो दूर कहीं कहीं पर तो उसे घर में आने की इज़ाजत नहीं होती बल्कि उसे वैवाहित स्त्रियों से अलग रखा जाता है। उसको मांगलिक कार्यों में शामिल नहीं होने दिया जाता। यहाँ तक की अपनी बेटी के विवाह तक में विधवा मां शामिल नहीं हो सकती। किसने बनाए ये नियम ?कौन है इसका कर्ता धर्ता ? कोई पुरुष है या कोई स्त्री ?अगर कोई है तो इतना बताए कि ये नियम क्यों व कब बनाए गए ? इसमें भेदभाव क्यों किया गया ? जब एक स्त्री को त्रासदीपूर्ण जीवन जीने को बाध्य किया जाता है तो पुरुष को क्यों नहीं ? विधवा स्त्री अपने पहनावे से भीड़ में अलग दिखाई पड़ जायेगी पर विधुर पुरुष की क्या पहचान है ? विधुर को कोई कैसे पहचानेगा ?

उसे न तो इस तरह संबोधित किया जाता है और न ही वह अपनी पत्नी को खोने के बाद अपने पहनावे को बदलता है। हमारा प्रश्न आप सबसे यही है कि क्या यह आवश्यक है कि 'पत्नी' को 'विधवा' कह कर सम्बोधित किया जाए ? जबकि अपने पति को खो देने के बाद भी वह एक पत्नी बनी हुई है। सभी रूपों और औपचारिकताओं में अपने पति के नाम को अपने से चिपकाए हुए हैं। किसी भी स्त्री के घर के पते या बैंक की किताब या स्कूल आदि पर जीवित पति का तो नाम लिखा ही होता है पति के मरने के बाद भी वह नाम स्त्री से जुड़ा रहता है। जिस महिला का पति मर चुका हो उसको पति के नाम के साथ ही सम्बोधित किया जाता है उदाहरण,, पत्नी स्वर्गीय श्री....की।

यहाँ हमारे कहने का तात्पर्य केवल इतना है कि जब मरने के बाद पति पत्नी से प्रत्येक क्षेत्र में जुड़ा है तो यह विधवा शब्द का सम्बोधन क्यों ? सफेद वस्त्र क्यों ? आप सब लोग जो इस लेख को पढ़ रहे हैं ज़रा एक क्षण के लिए सोचिए और विचार कीजिए कि ऐसे में एक विधवा स्त्री को समर्थन की आवश्यकता है, सहानुभूति की नहीं। स्वतंत्र हर इंसान हैं फिर विधवा क्यों नहीं ? आजादी के साथ जीने का अधिकार सबके पास है। नारी जब स्वतंत्र होगी तभी इस समाज व संसार का मुकाबला कर पायेगी। अब उन विधवा महिलाओं के सामने दो तरह की जिम्मेदारी आ चुकी हैं पति की भी और अपनी तो हैं ही उसके पास।

विधवा नारी नहीं कमजोर,
उसको शक्तिशाली बनाना होगा।
समर्थन देंगे जब सब मिलकर
बेकार नियमों को हटाना होगा।
शक्ति का रुप समझी जाती नारी
फिर चाहे हो जैसी भी,विधवा हो या हो सधवा,
हर परिस्थिति में उसका साथ निभाना होगा।
गहरा प्रश्न आप सबसे मेरा....

अनकही कहानी – एक भूरी नारी

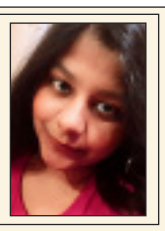

बचपन हमने देखा बड़ी मुश्किल से है,
कोई लड़की हुई है सुनके दफना देता है,
कोई लड़की हुई है सुनके जीते जी मार देता है।

बचपन से जब बाल्यावस्था आए,
कोई लड़की बाल मज़दूर का काम कर रही है,
तो कोई सडक पर झोली फैलाये एक पैसे के लिए तरस रही है।

बाल्यावस्था से यौवनावस्था जब आए,
तो देखा पढ़ने के ज़माने में छोटी बच्ची किसी का घर संभाल रही है,
कहीं वर्तन धो रही है तो कहीं कोई रास्ते पर धक्कें खा रहीं है।

यौवनावस्था से प्रजनन आयु जब आए,
जब मासिक धर्म शुरू होता है उसका दर्द जैसे प्रेग्नेंट के दर्द सा होता है,
कोई रंग रूप को देखते हैं तो कोई आपके जीवन में अपनी नाक घुसाते हैं।
समाज ताना कस्ते हैं और आजकल कहीं बाहर जाने का डर रहता है,
कहीं ससुराल मारते हैं तो कहीं कोई समझता नहीं है।

प्रजनन आयु के बाद जब प्रसव अवस्था में आए,
प्रेग्नेंट अवस्था में एक इंसान के अंदर एक नन्ही सी जान बस्ती है,
उस बीच का दर्द जो है 9 महीने का और उसके बाद प्रेगनेंसी के वक़्त
जो दर्द मानो की 206 हड्डियां टूट रही हो, जैसे लगता है।

प्रेगनेंसी के बाद जब माँ बन जाते है,तब अपने लिए कुछ नहीं
मगर सब परिवार और बच्चों के लिए केवल करती है।
इसलिए माँ के शब्द में संसार बस्ता है।

जब वही माँ बूढी हो जाती है,
तो बच्चे धक्के खाने के लिए कहीं सडक पर छोड़ देते हैं,
या तो वृद्धाश्रम में छोड़ जाते है,
कोई अनादर करता है कोई जुर्म करता है।

मरने के अवस्था में आयु जब आए,
तब न पूछने वाले भी दिखावा कर जाते हैं,
मरने के बाद जो बेटे पूछते नहीं वही सिर्फ़ 4 कंधा देने आ जाते हैं।

जीवन एक स्त्री की न कभी सरल थी न कभी है,
ज़माना है बुराइयों और अत्याचारों का ?
यहाँ एक बेटी को अच्छे से बड़ा करना भी बहुत कठिन है।

रीमा पांडेय कोलकाता

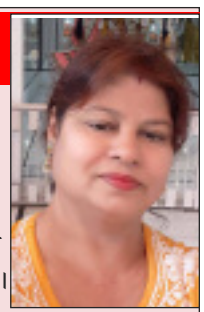

ग़ज़ल

यहाँ मुश्किल भरी राहों को अब आसान क्या करते,
पड़े थे पाँव में छाले रहें अंजान क्या करते।
अकेले ही बचा लाई मैं कश्ती के मुसाफ़िर को
मिरी हिम्मत के आगे दोस्तो तूफान क्या करते।
नहीं आसां है पढ़ लेना हरिक कागज़ के टुकड़े को
भला तस्वीर में इंसान की पहचान क्या करते
बचाया है इसे ग़म से सहारा भी न तेरा है,
भला फिर अपना दिल तेरे पे हम कुर्बान क्या करते।
कभी मांगा नहीं कुछ भी वो ऐसा ही अनोखा था,
वो था खुद्दार तो उसपे कहो अहसान क्या करते।
कभी पूरे नहीं होते मचलते ही ये रहते हैं तो
रख कर अपने दिल में हम हसीं अरमान क्या करते।
चले जाना है रीमा एक दिन सब छोड़कर सबको
सजा कर क़ीमती घर में भला सामान क्या करतें।

मेथी दाना से मिलेंगे घने-मोटे और लंबे बाल

मेथी दाने की ताकत को तो आयुर्वेद भी मान चुका है। ये छोटे-छोटे से पीले रंग के बीज इतने शक्तिशाली होते हैं कि ये कई तरह के रोगों से राहत दिला सकते हैं। लेकिन इनके फायदे सिर्फ यहीं खत्म नहीं होते, बल्कि ये बालों में भी नई जान डाल सकते हैं। बस आपको ये पता होना चाहिए कि इनका इस्तेमाल कैसे करना है? इसी से जुड़े हम कुछ तरीके बताने जा रहे हैं, जो आपको हेयर फॉल से छुटकारा दिलाकर, घने और मोटे बाल पाने में मदद कर सकते हैं। इनके लगातार इस्तेमाल से आपके बालों में ऐसी चमक और दमक आ जाएगी कि देखने वाले भी इसका राज पूछने लगेंगे। चलिए आपको भी बताते हैं एक्सपर्ट के सुझाए मेथी दाना के उपयोग के तरीके।

कैसे बालों को फायदा पहुंचाता है मेथी दाना

द योगा इंस्टिट्यूट की डायरेक्टर, डॉ. हंसा योगेंद्र ने अपने एक वीडियो में बताया कि मेथी दाना आयरन और प्रोटीन में रिच होता है। ये दोनों ही चीजें बालों के लिए जरूरी हैं। यही वजह है कि ये दाने बालों से जुड़ी कई समस्याओं जैसे हेयर फॉल, डैंड्रफ, रूखे बेजान बाल आदि से छुटकारा दिला सकते हैं।

मेथी दाने का पानी पिएं और लगाएं

सुबह खाली पेट पिएं पानीः एक मुट्ठी माथी दाने को रातभर के लिए पानी में भिगो दें। इसे सुबह छानने के बाद पिएं। पानी को खाली पेट पीना है।

पानी को यूं लगाएं

मेथी दाने के पानी को छानने के बाद एक स्प्रे बॉटल में भर लें। सुबह इसे बालों पर हेयर स्प्रे की तरह अप्लाई करें। बालों को शाम में धो लें।

खाने में कैसे करें शामिल

मेथी दाना को खाने में अलग-अलग तरह से शामिल करके भी इसके पोषक तत्वों का लाभ लिया जा सकता है। सलाद मेंरात में भिगोए गए मेथी दाने सलाद में डाले जा सकते हैं। इसके साथ ही इन्हें सैलेड सॉस में भी मिलाया जा सकता है।

सीजनिंग के रूप में

दाल और सब्जी में मेथी दानों का सीजनिंग के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आपको इन सीड्स को हल्का सा सेंक लेना है। इसे ठंडा होने पर एक शीशी में भर लें और फिर यूज करें।

मसाले में मिलाएं

सूखे हुए मेथी दाने को पाउडर फॉर्म में पीस लें और फिर इन्हें अपने स्पाइस मिक्सचर में मिला लें। इस मसाले का इस्तेमाल किसी भी डिश में करें।

बालों पर कैसे लगाएं-हेयर फॉल रोकने के लिए

मुट्ठीभर मेथी दाने को एक कप पानी में रातभर के लिए भिगा दें। सुबह गैस पर इन दानों व पानी को उबाल लें। उबलने के बाद इन्हें ठंडा होने दें और फिर दानों को मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। मेथी दाना के बचे हुए पानी में 3-4 गुड़हल की पत्तियां और फूल डालें। पेस्ट और पानी को मिक्स कर तैयार हुए पेस्ट को स्कैल्प पर लगाएं और 30 मिनट तक लगाकर छोड़ दें। हल्के गर्म पानी और माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें। इस हेयर मास्क को सप्ताह में दो बार लगाएं।

लंबे और चमकदार बालों के लिए

दो टेबलस्पून मेथी दानों को रातभर के लिए पानी में भिगो दें। सुबह इसका पेस्ट बना लें। दानों को अच्छा टेक्सचर देने के लिए उसमें मेथी दाने के पानी का उपयोग करें। तैयार पेस्ट में एक टेबलस्पून गाढ़ा कोकनट मिल्क मिलाएं। इस मिक्स को लगाकर स्कैल्प की मसाज करें और 30 मिनट लगा छोड़ दें। बाद में हेयर वॉश कर लें। हेयर मास्क का सप्ताह में दो बार उपयोग करें।

पिएं मूली के पत्तों का जूस, कई बीमारियां रहेंगी कोसों दूर

कई तरह की हरी पत्तेदार सब्जियां मिलती हैं। ये सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होती हैं। इसके सेवन से आप कई बीमारियों से बच सकते हैं।

इन्हीं हरी पत्तेदार सब्जियों में शामिल है मूली, जो पोषक तत्वों से भरपूर होता है। मूली के साथ इसके पत्ते भी सेहत का खजाना है।

ये विटामिन-सी और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। जो शरीर को कई रोगों से बचाते हैं। अगर सर्दियों की डाइट में आप मूली के पत्तों का जूस शामिल करते हैं, तो यह इस मौसम में होने वाली कई परेशानियों से बचाने में मदद करता है। तो चलिए जानते हैं, मूली के पत्तों के जूस के फायदे।

1. पाचन तंत्र के लिए मददगार

मूली के पत्तों में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। अगर आपको पाचन संबंधी समस्या है, तो मूली के पत्तों के जूस का सेवन कर सकते हैं।

2. इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार

एक्सपर्ट के मुताबिक मूली के पत्तों में फॉस्फोरस और आयरन पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। जिससे आप कई बीमारियों से बच सकते हैं।

3. लो ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए फायदेमंद

मूली के पत्तों का जूस लो ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद सोडियम लो ब्लड प्रेशर की समस्या को दूर करने में मदद करता है।

4. वजन कम करने में सहायक

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, मूली के पत्ते मददगार साबित हो सकते हैं। सर्दियों के मौसम में वजन तेजी से बढ़ता है, डेली डाइट में मूली के पत्तों का जूस शामिल कर सकते हैं।

मूली के पत्तों से ऐसे जूस बनाएं

सबसे पहले मूली के पत्ते को धो लें। अब इन पत्तों को काट लें। ग्राइंडर में इसे पीस लें। इसमें नींबू का रस, नमक और एक चुटकी काली मिर्च पाउडर मिलाएं।

क्या है दूध पीने का सही समय, ताकि मिलें अधिक फायदे

भारतीय डाइट में दूध की एक खास जगह है। फिर चाहे वयस्क हों या छोटे बच्चे सभी दूध का गिलास रोज़ पीने की कोशिश करते हैं।

खासतौर से बच्चों की अच्छी ग्रोथ के लिए उन्हें दूध ज़रूर पिलाया जाता है, वहीं वयस्कों को हड्डियों की मज़बूती के लिए दूध ज़रूर पीना चाहिए।

दूध में कई तरह के फ्लेवर मिलाकर भी पिया जा सकता है। कई लोग इसे सुबह पीना पसंद करते हैं, तो कई इसे सोने से पहले पीते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दूध को पीने का सही समय क्या है?

दूध पीने का बेस्ट समय क्या है?

आयुर्वेद की मुताबिक, वयस्कों के लिए दूध पीने का बेस्ट समय है रात का सोने से पहले। वहीं, बच्चों को सुबह ही दूध पी लेना चाहिए। रात में दूध पीने से ओजस को बढ़ावा मिलता है। ओजस को आयुर्वेद में एक ऐसी अवस्था के रूप में जाना जाता है, जब उचित पाचन हासिल हो जाता है।

दूध पीने से अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है। साथ ही सोते समय एक्टिविटी का स्तर भी कम होता है, इसलिए शरीर दूध से ज़्यादा से ज़्यादा कैल्शियम अवशोषित कर लेता है।

दूध पीने के फायदे क्या हैं?

दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिससे हड्डियां भी मज़बूत होती हैं। यह प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन-बी12, विटामिन-डी और फॉसफोरस का उच्च स्त्रोत है। रोज़ दूध पीने से इम्यूनिटी को बढ़ावा मिलता है, लेकिन इससे सीने में जलन भी शुरू हो सकती है।

एक दिन में कितना दूध पीना चाहिए?

आप दिनभर में आराम से 2 से 3 कप दूध पी सकते हैं, लेकिन साथ ही याद रखें कि किसी भी चीज़ की अति हानिकारक हो सकती है। अगर आप फुल-क्रीम दूध पी रहे हैं, तो एक या दो कप से ज़्यादा न पिएं, वरना यह वज़न बढ़ने का कारण बन सकता है।

दूध को कैसे स्वादिष्ट बनाया जा सकता है?

ऐसे लोग कम ही हैं, जिन्हें सादा दूध पसंद आता हो। यही वजह है कि मिल्क शेक, फ्रूट शेक काफी पॉपुलर हैं। हालांकि, आयुर्वेद की मानें तो दूध या दही में कभी भी फलों को मिलाकर नहीं पीना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि फल दूध के साथ मिलकर गैस पैदा करते हैं, इन टॉक्सिन्स से साइनस, सर्दी, खांसी और एलर्जी होती है। आप दूध में नेचुरल फ्लेवर्स, चीनी, गुड़, शहद, खजूर या फिर हल्दी मिलाकर पी सकते हैं। बच्चों के लिए दूध में चॉकलेट पाउडर मिलाया जा सकता है।

दूध पीने का सही तरीका क्या है?

आयुर्वेद में दूध के साथ फलों को मिलाकर पीने की सलाह नहीं दी जाती है। ऐसे में सवाल यह है कि फिर दूध को पीने का सही तरीका क्या है? दूध चाहे ठंडा हो या गर्म, दोनों ही तरह से शरीर को फायदा पहुंचाता है, लेकिन इस इस बात से भी फर्क पड़ता है कि आप दूध किस समय पी रहे हैं।

अगर आप दूध को दिन के समय पी रहे हैं, तो ठंडा या गर्म कैसा भी पी सकते हैं। जबकि, रात में सोने से पहले पी रहे हैं, तो गुनगुना या गर्म दूध ही पिएं।

रात में ठंडा दूध पेट में दिक्कत पैदा कर सकता है, जिससे आपकी नींद खराब हो सकती है।

Saturday
04 November 2023

BNM Fantasy

राजऔर शिल्पा के रिश्ते में आई दरार

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले राज ने अपनी बायोपिक की घोषणा की थी। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ था। इस समारोह में राज ने चेहरे से मास्क हटा कर पहली बार मीडिया से बातचीत की। इस बीच ऐसी अफवाह है कि राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी अलग होने वाले हैं। राज कुंद्रा ने अपने ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया है। राज के ट्वीट को लेकर कई तरह के तर्क दिए जा रहे हैं। राज ने ट्वीट किया, "हम अलग हो गए हैं और आप सभी से अनुरोध है कि इस कठिन परिस्थिति में हमें समय दें।" कई लोगों ने राज के इस ट्वीट को शिल्पा शेट्टी से जोड़ दिया है।

अ

मीषा पटेल का दावा- 'कहो ना प्यार है' से करीना कपूर खान को निकालकर मुझे दिया गया था मौका

फिल्म 'कहो ना प्यार है' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस अमीषा पटेल इन दिनों फिल्म 'गदर-2' की सक्सेस को एन्जॉय कर रही हैं। अमीषा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस करीना कपूर खान को लेकर बयान दिया। अमीषा ने दावा किया है कि शुरुआत में 'कहो ना प्यार है' फिल्म में करीना कपूर थीं, लेकिन बाद में करीना को फिल्म से निकाल दिया गया था। इस फिल्म में उनके साथ एक्टर ऋतिक रोशन अहम भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन राकेश रोशन ने किया है। अब अमीषा ने एक इंटरव्यू में कहा कि, "दरअसल करीना ने यह फिल्म छोड़ी नहीं थी, बल्कि राकेशजी ने करीना को फिल्म छोड़ने के लिए कहा था, क्योंकि उनके बीच मतभेद थे। ऋतिक की मां पिंकी भी हैरान थीं, क्योंकि सेट तैयार था और हमें तीन दिन में सोनिया के किरदार के लिए एक्ट्रेस ढूंढनी थी।" उन्होंने आगे कहा, "यह रितिक की डेब्यू फिल्म थी और हर कोई टेंशन में था। पिंकी आंटी ने मुझे आगे बताया कि राकेशजी ने मुझे एक शादी में देखा था और उन्हें पूरी रात नींद नहीं आई। अमीषा का कहना है, "2020 में राकेश रोशन ने बताया था कि करीना को क्यों रिप्लेस किया गया। उन्होंने कहा था कि करीना की मां बाबाती हर चीज में बहुत ज्यादा दिलचस्पी रखती थीं। इसलिए उन्होंने ये फिल्म छोड़ दी।"

...जब 50 लोगों के सामने बेइज्जत हुई थीं कृति सेनन

अब बताई सच्चाई

कृति सेनन ने बहुत ही कम समय में खुद को बॉलीवुड की टॉप हीरोइनों में स्थापित कर लिया है। कृति ने अपने 9 साल के करियर में एक राष्ट्रीय पुरस्कार और दो फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं। इसके अलावा वह फोर्ब्स की 100 सेलिब्रिटीज की लिस्ट में भी शामिल हो चुकी हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले कृति सेनन एक मॉडल थीं। उस दौरान उनके साथ कुछ ऐसी घटनाएं घटीं, जिनकी यादें आज भी उनके जेहन में ताजा हैं। कृति सेनन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में अपने पहले फैशन शो की कहानी शेयर की है। उन्होंने कहा कि कोरियोग्राफरों में से एक ने उन्हें 50 अन्य मॉडलों के सामने अपमानित किया और उन्हें रोने पर मजबूर कर दिया। कृति एक बैकअप प्लान के साथ फिल्म इंडस्ट्री में आईं, ताकि उनके माता-पिता को उनके भविष्य को लेकर ज्यादा चिंता न हो। कृति ने कहा, "यह मेरा पहला रैंप शो था और मैंने उस कोरियोग्राफर के साथ कभी काम नहीं किया था। वह मेरे प्रति बहुत रूखी थी, क्योंकि मैं गलती कर रही थी। वह 50 अन्य मॉडलों के सामने मुझ पर चिल्लाई, जिससे मैं रोने लगी। यह घटना काफी समय तक मेरे दिमाग में बसी रही।" कृति जल्द ही टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'गणपत: पार्ट 1' में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास शाहिद कपूर के साथ एक फिल्म और उनके अपने प्रोडक्शन की पहली फिल्म 'दो पत्ती' भी है। कृति सेनन इस साल फिल्म आदिपुरुष और शहजादा में नजर आईं। दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रहीं।